Roll No. .....

91318

B. A. 1st Year DDE Examination – April, 2019

HINDI (Compulsory)

Paper : BA 1002

Time : Three Hours] *[Maximum Marks : 100*

प्रश्नों के उत्तर देने से पहले परीक्षार्थी यह सुनिश्चित कर लें कि उनको पूर्ण एवं सही प्रश्न-पत्र मिला है। परीक्षा के उपरान्त इस संबंध में कोई भी शिकायत नहीं सुनी जायेगी।

नोट : ***सभी*** प्रश्नों के निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं ***दो*** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 6 + 6 = 12

(क) भलि भारत भूमि, भलें कुल जन्मु, समाजु सरीरू भलो लहि कै।
करषा तजि कै परूषा बरषा हिम, मारुत धाम सदा सही कै।।
जो भजै भगवानु सयान सोई, 'तुलसी' हठ चातकू ज्यों गहि कै।

नतु और सबै विषबीज बए, हर हाटक कामदुघा नहि कैं।।

(ख) कबीर कहा गरबियौ, इस जीवन की आस।
टेसू फूले दिवस चारि, खंखर भये पलास।।
यहु ऐसा संसार है, जैसा सैबल फूल।
दिन दस के ब्योहार को, झूठै रंगि न भूल।।

(ग) अँखियाँ हरि दरसन की भूखी।
कैसे रहें रूप रस राँची ये बतियाँ सुनि रूखी।
अवधि गनत इकटक मग जौवत तब एती नहि झूखी।
अब इत जोग-संदेसन ऊधौं अति अकुलानी दूखी।
बारक वह मुख फेरि दिखायो दुहि पय पिवत पतूखी।
सूर सिकत हठि नाव चलाओ ये सरिता है सूखी।।

(घ) कहत, नटत, रीझत, खिझत, मिलत, खिलत, लजियात।
भरे भौन में करत हैं, नैननु हीं सब बात।।
बतरस-लालच लाल की मुरली धरी लुकाइ।
सौंहं करै, भौहनु हँसै, दैन कहै नटि जाइ।।

2. तुलसीदास ***अथवा*** कबीरदास का साहित्यिक परिचय दीजिए। 8

3. 'बिहारी शृंगार के सम्राट हैं' सिद्ध कीजिए। 10

अथवा

सूरदास की भक्ति भावना का वर्णन कीजिए।

4. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं ***दो*** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। 6 + 6 = 12

(क) यदि मौखिक आश्वासन और सूखी सहानुभूति से स्थिति में सुधार हो सकता तो उन्हें कदाचित कोई आपत्ति न होती, परन्तु विशेष व्यय का भय उनकी सचेष्ठा को दबाये रखता था। यहाँ तक कि यदि द्वार पर कोई भला आदमी बैठा होता और बूढ़ी काकी उस समय अपना राग अलापने लगतीं, तो वह आग हो जाते और घर में आकर उन्हें जोर से डांटते।

(ख) सारा घर मक्खियों से भनभन कर रहा था। आँगन की अलगनी पर एक गन्दी साड़ी टँगी थी, जिसमें कई पैबन्द लगे हुए थे। दोनों बड़े लड़कों का भी कोई नहीं था। बाहर की कोठरी ये मुंशी जी औंधे मुँह होकर निश्चिन्तता के साथ सो रहे थे, जैसे डेढ़ महीने पूर्व मकान-किराया-नियंत्रण विभाग की क्लर्की से उनकी

downloaded from StudentSuvidha.com
Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

छटनी न हुई हो और शाम को उनको काम की तलाश में कहीं जाना हो।

(ग) इस देश में एक महाप्रतापी राजा का वर्णन इस प्रकार किया जाता था कि इन्द्र उसके यहाँ जल भरता था, पवन उसके यहाँ चक्की चलाता था, चाँद-सूरज उसके यहाँ रोशनी करते थे, इत्यादि। पर अंग्रेजी प्रताप उससे भी बढ़ गया है। समुद्र अंग्रेजी राज्य का पल्लाह है, पहाड़ों को उपत्यकायें बैठाने के लिए कुर्सी मूढ़ें।

(घ) अपने व्यवहार-पथ में आश्रय प्राप्ति के निमित मनुष्य के लिए ईश्वर की स्वानुरूप भावना ही सम्भव है। स्वानुभूति द्वारा ही वह उस परमानुभूति की धारणा कर सकता है। उसी से मातृहरि ने 'स्वानुभूत्यैक मानव' कहकर नमस्कार किया है। यदि चिन्मय में अपनी इतनी अनुभूति का भी निश्चय मनुष्य को न हो तो वह प्रार्थना आदि क्यों करने जायें ?

5. प्रेमचन्द *अथवा* आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी का साहित्यिक परिचय दीजिए। 8

6. 'दोपहर का भोजन' में निम्न मध्यमवर्गीय जीवन की त्रासदी को उद्घाटित किया है सिद्ध कीजिए। 10

अथवा

श्रद्धा-भक्ति और प्रेम की चिन्तन की दृष्टि से किस प्रकार का निबन्ध है ? विवेचन कीजिए।

7. निम्न प्रश्नों में से किन्हीं *तीन* के उत्तर दीजिए : $10 \times 3 = 30$

(क) मोहन राकेश की भाषा-शैली का वर्णन कीजिए।

(ख) मालती जोशी के जीवन एवं साहित्य का परिचय दीजिए।

(ग) 'सरस्वती' के सम्पादक के रूप में आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के निबंधों ने हिन्दी को नई दिशा दी। सिद्ध कीजिए।

(घ) सरदार पूर्ण सिंह के निबन्धों में मानवीय संवेदना और लोक चेतना का सुन्दर समन्वय हुआ है। सिद्ध कीजिए।

8. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) वाक्यांश के लिए एक शब्द चुनिए :

(i) बिना वेतन के कार्य करने वाला : 1

(अ) अवैतनिक (आ) कामचोर
(इ) बेगार (ई) स्वकर्मी

(ii) किसी संस्था/व्यक्ति के साठ वर्ष पर मनाया जाने वाला उत्सव : 1

(अ) रजत जयंती (आ) हीरक जयंती
(इ) स्वर्ण जयंती (ई) यौतिक्य जयंती

(ख) (i) 'आँच न आने देना' मुहावरे का अर्थ बताइए। 1

(ii) 'चाँदी का जूता' मुहावरे का अर्थ बताइए। 1

(ग) (i) 'आँख का अंधा नाम नयन सुःख' लोकोक्ति का अर्थ व उदाहरण दीजिए। 1

(ii) 'आधी छोड़ सारी को धावे' आधी मिले न सारी पावे' लोकोक्ति का अर्थ व उदाहरण दीजिए। 1

(घ) 'इष्ट शब्द का विलोम : 1

(i) (अ) अनिष्ट (आ) कनिष्ट
(इ) विशिष्ट (ई) शिष्ट

(ii) 'संक्षेप' शब्द का विलोम : 1

(अ) बड़ा (आ) विशाल
(इ) महज (ई) विस्तार

(ङ) (i) 'आकाश' का पर्यायवाची शब्द *नहीं* है : 1

(अ) अंबर (आ) अमर
(इ) शून्य (ई) नभ

(ii) कामदेव का पर्यायवाची शब्द *नहीं* है : 1

(अ) मदन (आ) अनंग
(इ) यक्षराज (ई) मनोज

StudentSuvidha.com
downloaded from
Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com